रणजीत टाइम्स

इंदौर

सोमवार, 26 अक्टूबर, 2026

वर्ष 02 | अंक 252 कुल पृष्ठ : 8 | Digital

RNI-NO.MPHIN/2015/64585

प्रधान संपादक : गोपाल गावंडे

एसआईआर सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से ईसी का इनकार

● कहा-यह ट्रेड सीक्रेट, आरटीआई के तहत सार्वजनिक नहीं कर सकते

नई दिल्ली (एजेंसी)। चुनाव आयोग ने स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन के दौरान वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए इस्तेमाल किए गए सॉफ्टवेयर की जानकारी देने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, आयोग ने आरटीआई के जवाब में कहा- यह जानकारी ट्रेड सीक्रेट और इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी से जुड़ी है। इसे आरटीआई कानून के तहत सार्वजनिक नहीं किया जा सकता। आयोग ने यह भी साफ नहीं किया कि वोटर लिस्ट में गड़बड़ियां पहचानने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस या मशीन लर्निंग का इस्तेमाल किया था।



कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर फिर उठाए सवाल

कांग्रेस के संचार विभाग के महासचिव जयराम रमेश ने एक रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग ने उस सॉफ्टवेयर का नाम और वर्जन बताने से इनकार कर दिया है, जिसका इस्तेमाल एसआईआर प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची में गलतियों और विसंगतियों का पता लगाने के लिए किया गया था। रिपोर्ट में बताया गया है कि चुनाव आयोग ने जानकारी न देने के पीछे व्यवसायिक गोपनीयता, व्यवहार रहस्य और बैद्धिक संपदा का हवाला दिया है। आयोग का कहना है कि मांगी गई जानकारी सूचना का अधिकार अधिनियम के तहत सार्वजनिक करने से छूट प्राप्त है। चुनाव आयोग पर कमजोर बहाने बनाने का आरोप लगाते हुए, रमेश ने एक्स पर कहा कि ECINET सॉफ्टवेयर और एआई के इस्तेमाल को लेकर पारदर्शिता की कमी ने नागरिकों के बीच पूरी प्रक्रिया की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंचाया है। चुनाव आयोग बार-बार यह जानकारी देने से इनकार कर रहा है, क्योंकि इससे उसे बड़े पैमाने पर हुई केंद्रीयकृत हेराफेरी की सच्चाई सामने आ जाएगी। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि जनता को यह जानकारी चुनाव आयोग से मिलने के बजाय टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज से क्यों मिली कि ईसीआई नेट को उसी कंपनी ने विकसित किया है। कांग्रेस नेता ने यह भी पूछा कि आयोग ने बार-बार एसआईआर प्रक्रिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से इनकार क्यों किया, जबकि यह साफ है कि मतदाता सूची के पुनरीक्षण में इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा था।

जज के नाबालिग बेटे ने मर्सिडीज से मारी टक्कर

● केरलम में स्कूटर सवार की मौत, पीड़ित परिवार नाराज

तिरुअनंतपुरम (एजेंसी)। केरलम के कोच्चि में शनिवार देर रात मर्सिडीज कार ने स्कूटर को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में 55 साल के स्कूटर सवार की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, कार चलाने वाला एडिशनल सेशन जज का बेटा है। उसकी उम्र 17 साल है। कार जज के नाम पर रजिस्टर्ड थी। हादसा रात 2 से 3 बजे के बीच हुआ।



घटनास्थल के एक वीडियो में कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त दिखाई दिया। पीड़ित परिवार ने आरोप लगाया कि पुलिस स्टेशन में जब उन्होंने नाबालिग को कार चलाने देने पर सवाल उठाया, तो जज ने उनसे अपमानजनक लहजे में बात की। हादसे में जान गंवाने शख्स की पहचान जयबालकृष्णन के रूप में हुई है। वह करीब 30 साल से अपनी पत्नी मंजू के साथ सड़क किनारे खाने का स्टॉल चला रहे थे। रिपोर्ट के मुताबिक, जयबालकृष्णन ने शनिवार रात चित्तूर मंदिर के पास अपना स्टॉल बंद किया था। वह रोज शाम करीब 4 बजे दुकान खोलते थे और वहां मुख्य रूप से डोसा सहित शाकाहारी खाना बेचते थे।

समाज के सशक्तिकरण में आर्थिक सहायता महत्वपूर्ण

सीएम बोले-बहनों, किसानों व गरीबों के साथ है एमपी की सरकार

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि माता-बहनों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना हमारा दायित्व है। शहडोल में तेंदूपत्ता संग्रहण करने वाली माता - बहनों को बोनस के माध्यम से आर्थिक मदद की जा रही है। किसानों को भी हम आर्थिक रूप से सशक्त कर रहे हैं। बहनों, किसानों, गरीबों को दी जा रही छोटी-छोटी राशि आर्थिक सहायता, समाज के सशक्तिकरण में महत्वपूर्ण है। माता-बहनों को हमारी सरकार अब तक 65 हजार करोड़ रुपये की राशि दे चुकी है। देश में मध्यप्रदेश सरकार एकमात्र ऐसी सरकार है जो किसानों के सशक्तिकरण के साथ ही पशुपालकों और दुग्ध उत्पादकों को भी प्रोत्साहित कर रही है।



शिक्षा, ज्ञान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे आचार्य सांदीपनि

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आचार्य सांदीपनि का नाम भगवान श्रीकृष्ण और सुदामा की अमर मित्रता से जुड़ा है। सांदीपनि विद्यालयों के नामकरण के पीछे यही भाव है कि विद्यार्थियों के बीच मित्रता, संस्कार और गुरु-शिष्य परंपरा सदैव जीवंत रहे। आचार्य सांदीपनि शिक्षा, ज्ञान और राष्ट्रभक्ति के प्रतीक थे। आचार्य सांदीपनि का जीवन हमें सिखाता है कि शिक्षा केवल ज्ञान अर्जित करने का माध्यम नहीं, बल्कि संस्कार, कर्तव्यनिष्ठा और राष्ट्र निर्माण का आधार भी है।

देश में सबसे अच्छी शिक्षा व्यवस्था अब मध्यप्रदेश की है

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य सरकार ने सांदीपनि विद्यालय के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने का काम किया है। प्रदेश में एक समय वह भी था जब स्कूल में बैठने के लिए टाट- पट्टी तक की व्यवस्था नहीं थी। आज सांदीपनि विद्यालय आधुनिक सुविधाओं, बहुमंजिला भवनों और बेहतर शैक्षणिक संसाधनों के साथ शिक्षा का आदर्श मॉडल बन रहे हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि इन विद्यालयों के माध्यम से विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा मिले और वे भारतीय संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा तथा राष्ट्रभक्ति के मूल्यों को आत्मसात करें।

महाराष्ट्र के जलगांव में आरएसएस के पथ संचलन पर बवाल

● धार्मिक स्थल के सामने हुआ पथराव, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

जलगांव (एजेंसी)। महाराष्ट्र के जलगांव जिले में आरएसएस के पथ संचलन के दौरान तनाव की स्थिति पैदा हो गई। कुछ लोगों मस्जिद के सामने से पथ संचलन के गुजरने का विरोध किया। पथ संचलन के विरोध में पुरुषों ने महिलाओं को आगे



कर धरने पर बैठा दिया। इसी दौरान पथराव होने की बात भी सामने आ रही है। स्थिति को बिगड़ता देख पुलिस ने हल्का लाठीचार्ज कर भीड़ को तितर-बितर किया। फिलहाल मौके पर तनावपूर्ण स्थिति बनी हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जलगांव जिले का अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर तैनात किया गया है। जानकारी के अनुसार, किंगगांव गांव में आरएसएस के रूट मार्च के दौरान एक मस्जिद के पास विरोध-प्रदर्शन होने से तनाव फैल गया।

एमपी में बारिश बिगाड़ेगी मौसम का मिजाज

अगले सप्ताह पांच जिलों में भारी बारिश की चेतावनी, रात में लुढ़का पारा



भोपाल। मध्य प्रदेश में दीवाली से पहले मौसम एक बार फिर करवट लेने वाला है। फिलहाल प्रदेश में अगले तीन दिन बारिश की संभावना नहीं है, लेकिन 28 अक्टूबर को पूर्वी मध्य प्रदेश में नया मौसम तंत्र असर दिखा सकता है। मौसम विभाग ने शहडोल, अनूपपुर, डिंडोरी, मंडला और बालाघाट में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। कई अन्य जिलों में गरज-चमक के साथ बूंदाबांदी और बादल छाने के आसार हैं। दूसरी ओर, प्रदेश में रात का तापमान गिरने से ठंडक बढ़ने लगी है। कटनी के करौंदी में न्यूनतम तापमान 12.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

तीन दिन मौसम साफ फिर बारिश का दौर

मौसम विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना निम्न दबाव का क्षेत्र आगे मजबूत होकर डिप्रेशन में बदल सकता है। इसके प्रभाव से 28 अक्टूबर को प्रदेश के पूर्वी हिस्से में बारिश की गतिविधियां बढ़ने का अनुमान है। कुछ स्थानों पर भारी बारिश हो सकती है, जबकि कई जिलों में हल्की बारिश, गरज-चमक और बादल छाने की स्थिति बनेगी। ग्वालियर, भिंड, दतिया, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, जबलपुर, कटनी, नरसिंहपुर, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, रीवा, सतना, सीधी, सिंगरौली, मऊगंज, मैहर, उमरिया, सागर, पन्ना, दमोह, छतरपुर, टीकमगढ़ और निवाड़ी में मौसम का असर देखने को मिल सकता है।

आज सुल्तानपुर कोर्ट में होंगे पेश राहुल गांधी

अमित शाह पर टिप्पणी से जुड़े मानहानि केस में आएगा फैसला



सुल्तानपुर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी से जुड़े मानहानि मामले में सोमवार को सुल्तानपुर की एमपी-एमएलए कोर्ट फैसला सुनाएगा। विशेष मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा की अदालत ने इस महत्वपूर्ण मामले में कांग्रेस सांसद राहुल गांधी को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित रहने का आदेश दिया है। कोतवाली देहात थाने के हनुमानगंज निवासी भाजपा नेता विजय मिश्र ने 4 अगस्त 2018 को राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि परिवाद दायर किया था।

2024 में राहुल गांधी ने कराई थी जमानत

राहुल गांधी 20 फरवरी 2024 को अदालत में पेश होकर जमानत करा चुके हैं। इस मामले में लंबी कानूनी प्रक्रिया के बाद 13 अक्टूबर, 2026 को एमपी-एमएलए कोर्ट में दोनों पक्षों के वकीलों की बहस की कार्यवाही पूरी हो चुकी है। इसके बाद अदालत ने मामले में फैसला सुरक्षित रख लिया था।

शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा को मिला 'छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड'

शिक्षा, योग, स्काउटिंग, साहित्य एवं समाजसेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु हुए सम्मानित

छुरा - सुप्रसिद्ध दैनिक समाचार पत्र दबंग स्वर, रायपुर के छठवें स्थापना दिवस के अवसर पर वृंदावन सभागृह, रायपुर में भव्य एवं ऐतिहासिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सामाजिक, साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संस्था वक्ता मंच तथा दैनिक समाचार पत्र दबंग स्वर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित इस गरिमामय समारोह में छत्तीसगढ़ प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित कर उनके उत्कृष्ट कार्यों का अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर नगर के प्रतिष्ठित शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा को 'छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड' से सम्मानित किया गया।

शिक्षा, योग, स्काउटिंग, साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक क्षेत्र में उनके उत्कृष्ट योगदान, समर्पण और उल्लेखनीय सेवाओं के लिए यह सम्मान प्रदान किया गया। शिक्षक अर्जुन धनंजय सिन्हा ने अपने कार्यों के माध्यम से शिक्षा



के प्रसार, विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, योग के प्रति जागरूकता, स्काउटिंग गतिविधियों तथा साहित्यिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संवर्धन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। समाज के प्रति उनकी सक्रिय सहभागिता और रचनात्मक कार्यों ने उन्हें एक समर्पित शिक्षक के साथ-साथ साहित्य एवं संस्कृति के प्रति प्रतिबद्ध व्यक्तित्व के रूप में विशिष्ट पहचान दिलाई है। यह सम्मान उनके वर्षों के परिश्रम, निष्ठा और बहुआयामी योगदान का गौरवपूर्ण प्रतिफल है। उनकी उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि नगर एवं समूचे क्षेत्र के लिए भी गर्व और प्रेरणा का विषय है। शिक्षा और सामाजिक सरोकारों से जुड़े व्यक्तित्वों का इस प्रकार सम्मान किया जाना समाज में सकारात्मक कार्यों को प्रोत्साहित करने की दिशा में एक सराहनीय पहल है। समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए प्रतिभाशाली व्यक्तियों का सम्मान कर उनकी उपलब्धियों को मंच प्रदान किया गया। आयोजन ने समाजसेवा, शिक्षा, साहित्य, संस्कृति

और जनकल्याण के क्षेत्र में समर्पित भाव से कार्य करने वाले लोगों का उत्साहवर्धन किया। अर्जुन धनंजय सिन्हा को प्राप्त 'छत्तीसगढ़ गौरव अवॉर्ड' उनकी कर्मनिष्ठा, सामाजिक प्रतिबद्धता और बहुआयामी प्रतिभा का सम्मान है।उनकी यह उपलब्धि निश्चित रूप से युवा पीढ़ी, शिक्षकों तथा समाज के लिए प्रेरणास्रोत बनेगी और समाजहित में निरंतर उत्कृष्ट कार्य करने की प्रेरणा प्रदान करेगी। सिन्हा ने इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार तथा वक्ता मंच अध्यक्ष राजेश पराते, प्रधान संपादक पं. पी.के. तिवारी, संयोजक शुभम साहू एवं सभी आयोजकों का आभार व्यक्त किया। सिन्हा ने मिले सम्मान का संपूर्ण श्रेय अपने माता पिता डॉ. के.आर. सिन्हा, राम बाई सिन्हा तथा कला कुमार सिन्हा, विमला सिन्हा एवं सभी गुरुजनों, बड़े बुजुर्गों के मार्गदर्शन और आशीर्वाद को दिया। सिन्हा को सम्मानित किए जाने पर साहित्यकार ललित साहू, देवनारायण यदु, भारत स्वाभिमान न्यास के जिलाध्यक्ष संतराम कंवर, ठेठवार यादव समाज के प्रांतीय उपाध्यक्ष एवं नवाचारी शिक्षक शंकर लाल यदु, श्रीराघवेंद्र मानस संघ के अध्यक्ष जागेश्वर ध्रुव, उपाध्यक्ष रोहित जगत, सहसचिव खोरबाहरा निषाद, शाकंभरी मरार समाज के प्रांतीय संचालक हेमलाल पटेल, नेशन्स प्राइड पब्लिक स्कूल के प्राचार्य संतोष निषाद एवं कृष्णेश यदु, सहित अनेक गणमान्य नागरिकों एवं शुभचिंतकों ने बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रेषित की हैं।

ब्राह्मण समाज की संयुक्त बैठक में युवा प्रकोष्ठ के गठन और दीपावली मिलन समारोह पर बनी रूपरेखा

संगठन की मजबूती, युवाओं की भागीदारी और सामाजिक एकजुटता पर दिया गया जोर

छुरा। ब्राह्मण समाज तहसील छुरा, महिला प्रकोष्ठ एवं युवा ब्राह्मण प्रकोष्ठ की संयुक्त बैठक श्री मानस मंदिर प्रांगण छुरा में आयोजित की गई। बैठक का शुभारंभ भगवान परशुराम जी की पूजा-अर्चना एवं आराधना के साथ किया गया।

इस अवसर पर समाज के संगठन को और अधिक मजबूत बनाने, युवाओं को सक्रिय रूप से जोड़ने तथा आगामी सामाजिक कार्यक्रमों के सफल आयोजन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से युवा ब्राह्मण समाज के गठन एवं पुनर्गठन, दीपावली मिलन समारोह के आयोजन तथा भविष्य में आयोजित होने वाले सामाजिक कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने पर विचार-विमर्श किया गया। उपस्थित समाजजनों ने इस बात पर जोर दिया कि समाज की एकता और मजबूती के लिए सभी वर्गों एवं प्रकोष्ठों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। विशेष रूप से युवाओं को समाज की गतिविधियों से जोड़कर उन्हें सामाजिक दायित्वों के निर्वहन के लिए आगे लाने पर चर्चा हुई।

बैठक में महिला प्रकोष्ठ की भूमिका



को भी महत्वपूर्ण बताते हुए समाज की महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने तथा सामाजिक आयोजनों में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने पर विचार किया गया। समाज के सभी प्रकोष्ठों के बीच आपसी समन्वय स्थापित कर सामाजिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया गया। साथ ही दीपावली मिलन समारोह को आपसी भाईचारे, सौहार्द और सामाजिक एकजुटता के प्रतीक के रूप में आयोजित करने को लेकर भी चर्चा की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने समाजहित में मिल-जुलकर कार्य करने और संगठन को नई दिशा देने की बात कही। युवा ब्राह्मण समाज के गठन को लेकर हुई चर्चा को युवाओं को संगठनात्मक जिम्मेदारियों से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण माना गया। आगामी कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के लोगों के बीच संपर्क, सहयोग एवं समन्वय को और मजबूत बनाने पर भी सहमति व्यक्त की गई। इस संयुक्त बैठक में ब्राह्मण समाज तहसील छुरा, महिला प्रकोष्ठ एवं युवा ब्राह्मण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री सहित विभिन्न पदाधिकारी और कार्यकारिणी सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। बैठक का उद्देश्य समाज को एकजुट रखते हुए संगठनात्मक गतिविधियों को गति देना और आने वाले समय में समाज के कार्यक्रमों को योजनाबद्ध तरीके से संपन्न कराना रहा।

शाही दशहरा में अतिथि बने शिवेंद्र वर्मा, मौली माता के दर्शन कर दिया छत्तीसगढ़िया संस्कृति के संरक्षण का संदेश



छुरा/फिंगेश्वर/गरियाबंद/राजिम। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोकसंस्कृति एवं पारंपरिक विरासत के प्रतीक फिंगेश्वर खंड के शाही दशहरा में छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने फिंगेश्वर की कुलदेवी मावली दाई के दर्शन कर विधिवत पूजा-अर्चना की। इसके पश्चात फिंगेश्वर राजपरिवार के राजा से भेंट-मुलाकात कर उन्हें छत्तीसगढ़ महतारी का छायाचित्र भेंट किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना के प्रदेश अध्यक्ष शिवेंद्र वर्मा ने कहा कि शाही दशहरा छत्तीसगढ़ की एक गौरवशाली एवं ऐतिहासिक परंपरा है, जिसमें हमारे पूर्वजों की संस्कृति, आस्था और राजपरंपरा की झलक देखने को मिलती है। आज की नई पीढ़ी के लिए अपनी परंपराओं, संस्कृति और इतिहास के महत्व को जानना एवं समझना बेहद जरूरी है। ऐसे आयोजन हमारी सांस्कृतिक विरासत को सहेजने और उसे आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़िया क्रांति सेना, जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी एवं छत्तीसगढ़िया युवा क्रांति सेना, जिला गरियाबंद के समस्त जिला पदाधिकारियों के साथ गरियाबंद, राजिम, छुरा एवं फिंगेश्वर खंड के खंड अध्यक्ष तथा बड़ी संख्या में जिला भर के सेनानी उपस्थित रहे।

सभी ने इस पवित्र शाही दशहरा उत्सव में सहभागिता निभाते हुए छत्तीसगढ़ की माटी, महतारी और संस्कृति के सम्मान एवं संरक्षण के लिए एकजुट रहने का संदेश दिया। यह जानकारी जिला मीडिया प्रभारी गरियाबंद के द्वारा दिया गया।

यारान ग्रुप द्वारा प्री करवाचौथ उत्सव का हुआ भव्य आयोजन

इंदौर। शहर के प्रसिद्ध महिला संगठन यारान ग्रुप के तत्वावधान में प्री करवाचौथ सेलिब्रेशन का भव्य आयोजन किया गया। करवाचौथ के पावन पर्व के उपलक्ष्य में हुए इस कार्यक्रम में शहर की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती पीनल भट्ट जी, संस्थापक - आरएस डायमंड रहीं। वहीं विशेष अतिथि के रूप में श्रीमती लीना चौकसे जी एवं श्रीमती चित्रा त्रिवेदी जी, श्रीमती साक्षी सिन्हा जी एवं श्रीमती राशिका नीमा जी उपस्थित रहीं।







कार्यक्रम में महिलाओं के लिए श्रृंगार, मेहंदी, फैशन शो, बेस्ट ड्रेस प्रतियोगिता एवं विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यारान ग्रुप की फाउंडर श्रीमती अर्चना दीपक गुप्ता ने कहा कि करवाचौथ केवल एक व्रत नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति की अमूल्य धरोहर और हमारी सनातन परंपरा का प्रतीक है। अंत में यारान ग्रुप की फाउंडर श्रीमती अर्चना गुप्ता ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी अतिथियों एवं टीम के सभी सदस्यों का दिल से धन्यवाद व्यक्त किया।

शिवपुरीः के मंगल बीज भंडार से खरीदे गए धान के बीज में भारी गड़बड़ी, किसानों की फसल बर्बाद; कार्रवाई की मांग

शिवपुरीः जिले के नरवर क्षेत्र से किसानों के साथ ठगी और लापरवाही का एक बड़ा मामला सामने आया है। शिवपुरी के पोहरी रोड स्थित 'मंगल बीज भंडार' से खरीदे गए धान के बीज (Star Agri Seeds - PB-1847) में गंभीर खामी पाई गई है, जिसके कारण किसानों की पूरी फसल खराब हो रही है।

क्या है पूरा मामला?

ग्राम महुआ के रहने वाले किसान रंजीत सिंह गुर्जर ने बताया कि उन्होंने पोहरी बाईपास स्थित मंगल बीज भंडार से 180 रुपये प्रति किलो की दर से धान का बीज खरीदा था। दुकान संचालक द्वारा बीज बेचते समय कोई छूट नहीं दी गई और मनमाने दाम वसूले गए। किसानों का आरोप है कि जब उन्होंने खेतों में यह बीज बोया, तो फसल में भारी गड़बड़ी सामने आई। धान की बालियां काली निकल रही हैं और फसल पूरी तरह चौपट हो रही है।

किसानों को भारी नुकसानः

किसान रंजीत सिंह के अनुसार, लगभग 10 बीघा भूमि में यह धान बोया गया था, जिसमें प्रति बीघा करीब



5 क्विंटल तक के भारी नुकसान की आशंका है। फसल कटाई के समय से ही किसान दिन-रात परेशान घूम रहे हैं, लेकिन उनकी सुध लेने वाला कोई नहीं है।

दुकानदार और कंपनियों की उदासीनताः

पीड़ित किसानों का कहना है कि वे पिछले एक महीने से लगातार दुकान संचालक और संबंधित लोगों के चक्कर काट रहे हैं, लेकिन उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है। दुकान वाले जिम्मेदारी लेने से बच रहे हैं और किसानों के साथ धोखाधड़ी की जा रही है। किसानों ने प्रशासन से मांग की है कि इस घटिया बीज बेचने वाले मंगल बीज भंडार के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए और पीड़ित किसानों को उचित मुआवजा दिलाया जाए।

करैरा में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, श्रीराम कथा से भक्तिमय हुआ बगीचा धाम

हेमंत भार्गव

शिवपुरी, करैरा। करैरा स्थित बगीचा धाम-श्री राम राजा धाम में श्रीराम कथा के आयोजन ने भक्ति, श्रद्धा और आध्यात्मिक चेतना का अद्भुत वातावरण निर्मित कर दिया है। कथा के द्वितीय दिवस रविवार को लाखों श्रद्धालुओं की उपस्थिति में बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने श्रीराम कथा का रसपान कराते हुए भगवान श्रीराम की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा पंडाल में उमड़े श्रद्धालुओं की आस्था और उत्साह से करैरा की धरती राममय हो उठी है। देश के विभिन्न शहरों और गांवों से श्रद्धालुओं के पहुंचने के कारण यहां लघु महाकुंभ जैसा दृश्य दिखाई दे रहा है।

श्रीराम कथा के श्रवण से मिटते हैं जन्म-जन्मांतर के कष्ट

कथा प्रवचन के दौरान पं. धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री ने श्रीराम कथा की महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि श्रीराम कथा का श्रवण मनुष्य के जीवन को सुख, शांति और सकारात्मक ऊर्जा से परिपूर्ण करता है। उन्होंने कहा कि श्रीराम कथा के श्रवण से जन्म-जन्मांतर की व्यथा मिट जाती है और जीवन में सुख की अनुभूति होती है। उन्होंने भावपूर्ण शब्दों में कहा कि कथा में इस प्रकार बैठना चाहिए कि कथा केवल कानों तक सीमित न रहे, बल्कि हृदय में भी उतर जाए। जब मनुष्य श्रद्धा और समर्पण के साथ कथा का श्रवण करता है, तब उसका जीवन राममय हो जाता है।

पं. शास्त्री ने गोस्वामी तुलसीदास जी का उल्लेख करते हुए- रामचरितमानस की महिमा पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम की कथा कलियुग में जन-जन तक पहुंचाने में तुलसीदास जी का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने हनुमान जी की श्रीराम कथा के प्रति अगाध श्रद्धा का वर्णन करते हुए कहा कि हनुमान जी को श्रीराम कथा अत्यंत प्रिय है और कथा के श्रवण से वे प्रसन्न होते हैं। उनके प्रवचनों ने श्रद्धालुओं को भक्ति, मर्यादा, समर्पण और प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी।



आठ बीघा में बना अन्नपूर्णा भोजन पंडाल, हजारों श्रद्धालु ग्रहण कर रहे प्रसादी- श्रीराम कथा के साथ-साथ आयोजन स्थल पर श्रद्धालुओं की सेवा के लिए व्यापक व्यवस्थाएं की गई हैं। लगभग आठ बीघा क्षेत्र में निर्मित विशाल अन्नपूर्णा भोजन पंडाल में प्रतिदिन हजारों श्रद्धालु श्रद्धाभाव से भोजन प्रसादी ग्रहण कर रहे हैं। भोजन व्यवस्था को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए लगभग 200 सेवा समिति के सदस्य निरंतर सेवाकार्य में जुटे हुए हैं। समिति के सदस्य पूरी निष्ठा और समर्पण के साथ श्रद्धालुओं को भोजन प्रसादी वितरित कर रहे हैं। देर रात तक प्रसादी वितरण का क्रम जारी रहता है। सेवा में लगे कार्यकर्ताओं का उद्देश्य यही है कि दूर-दराज से आने वाले किसी भी श्रद्धालु को भोजन के लिए असुविधा का सामना न करना पड़े।

श्रद्धालुओं के ठहरने से लेकर स्वच्छता तक के व्यापक इंतजाम कथा में शामिल होने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु, साधु-संत और भक्तजन पहुंच रहे हैं। विशाल कथा पंडाल तथा मंदिर परिसर के आसपास बनाए गए अन्य पंडालों में श्रद्धालुओं के रात्रि विश्राम की व्यवस्था की गई है। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए पेयजल, स्नान एवं दैनिक उपयोग की आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। परिसर में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। आयोजन समिति के सदस्य दिन-रात सेवाभाव से जुटे हुए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

सुरक्षा और यातायात व्यवस्था पर विशेष निगरानी- श्रद्धालुओं की भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा व्यवस्था के भी पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। पुलिसकर्मी विभिन्न स्थानों पर तैनात हैं तथा ड्रोन कैमरों के माध्यम से भी निगरानी की जा रही है। वहीं, पुलिस जवान यातायात व्यवस्था को व्यवस्थित बनाए रखने में जुटे हैं, जिससे श्रद्धालुओं के आवागमन में अनावश्यक बाधा उत्पन्न न हो। आयोजन समिति और पुलिस प्रशासन के समन्वित प्रयासों से विशाल धार्मिक आयोजन को सुव्यवस्थित ढंग से संचालित करने का प्रयास किया जा रहा है।

27 और 28 अक्टूबर को लगेगा दिव्य दरबार, 29 एवं 30 अक्टूबर को गुरु दीक्षा- श्रीराम कथा के इस भव्य आयोजन के अंतर्गत आगामी 27 एवं 28 अक्टूबर को दिव्य दरबार आयोजित किया जाएगा। वहीं, 29 एवं 30 अक्टूबर को गुरु दीक्षा का कार्यक्रम संपन्न होगा। इन कार्यक्रमों को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह देखा जा रहा है। विभिन्न क्षेत्रों से भक्तों के करैरा पहुंचने का सिलसिला लगातार जारी है। आयोजन स्थल पर श्रद्धा, सेवा और समर्पण का संगम दिखाई दे रहा है। एक ओर श्रीराम कथा के माध्यम से भक्तों को आध्यात्मिक संदेश मिल रहा है, तो दूसरी ओर सेवा समिति द्वारा भोजन, आवास, स्वच्छता और अन्य सुविधाओं के माध्यम से मानव सेवा का अनुकरणीय उदाहरण प्रस्तुत किया जा रहा है। सोमवार को दोपहर 3 बजे से होगी श्रीराम कथा- आयोजन के अगले दिन सोमवार, 26 अक्टूबर को दोपहर 3 बजे से श्रीराम कथा का आयोजन होगा।

मानव जीवन सत्य से साक्षात के लिए ईश्वर से प्राप्त एक उपहार है

भारतवर्ष को हम सभी, देव - भूमि, योग- भूमि, अध्यात्म की भूमि, व सनातन संस्कृति के जनक के रूप में जानते हैं। समस्त भारतीय इस विषय पर गर्व भी करते हैं परंतु इसे कितना आत्मसात करते हैं यह विचारणीय विषय है। अनेकानेक आपदाओं आक्रमणों अत्याचारों के बावजूद भारतीय संस्कृति अक्षुण्ण रही है इसका कारण है इसका शाश्वत होना सत्य होना क्योंकि सत्य को कभी भी नष्ट नहीं किया जा सकता।

ऋषियों, मनीषियों, वेदज्ञों व महान गुरुओं ने जो ज्ञान अनंत से प्राप्त किया वह इसलिए क्योंकि वे अपने हृदय को विशाल बना सके उन्होंने स्वयं को संकुचित नहीं किया बल्कि खोल दिया ब्रह्मांड के लिए और परम शक्ति से एकाकारिता ने ही उन्हें सत्य का साक्षात् कराया।

सहजयोग भी शाश्वत सत्य से साक्षात् का ही योग है जिसे स्वयं आदिशक्ति के अवतरण श्री माताजी निर्मला देवी जी ने स्थापित किया। सहजयोग परमात्मा द्वारा लगाए गए फूलों का वो गुलदस्ता है जिन्हें श्री माताजी ने संपूर्ण विश्व से



चुना है। सहजयोग ध्यान की वो सनातन पद्धति है जिसे आधुनिक वैज्ञानिकों व चिकित्सकों ने भी स्वीकार किया है। मनुष्य की जिन शारीरिक व मानसिक जटिलताओं को आधुनिक विज्ञान समझ नहीं सका उन्हें सहजयोग द्वारा समझाया गया है।

विभिन्न शारीरिक रोगों में, मानसिक तनाव को दूर करने में, कृषि का उत्पादन बढ़ाने में, वातावरण की नकारात्मकता को दूर करने में सहजयोग ने अवर्णनीय प्रभाव दिखाया है।

परंतु इसका वास्तविक उद्देश्य कहीं व्यापक है यह आत्मा के परमात्मा से योग का साधन है इसके पश्चात समस्त बाधाएं स्वयं ही समाप्त हो जाती हैं।

यह जीवंत अनुभव है जिसे पढ़कर नहीं समझा जा सकता सहजयोग विवेक व बोध के द्वारा क्रिया एवं विचारों से बाहर निकाल कर ध्यान का मार्ग प्रशस्त करता है। और हमें उस ज्ञान व विद्या का साक्षात्कार प्रदान करता है जो हमारे साथ जन्मी है, जो सहज है।

अतः अपने आप को इस अनुभव का एक अवसर अवश्य प्रदान करें। सहजयोग ध्यान का आनंद और अनगिनत लाभ लेने हेतु आप जानकारी टोल फ्री नं – 1800 2700 800 अथवा बेवसाइट - sahajayoga.org.in **से प्राप्त कर सकते हैं। सहजयोग पूर्णतया निशुल्क है**

वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को बूथ से पंचायत स्तर तक पहुंचाने का संकल्प

धर्मेन्द्र गुप्ता

जिला कांग्रेस की बैठक में केंद्रीय पर्यवेक्षक बालासाहेब थोरात सहित वरिष्ठ नेताओं ने किया मंथन, लोकतंत्र की रक्षा के लिए 1 नवंबर को दिल्ली में सड़क से सदन तक संघर्ष का ऐलान विदिशा वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान के अंतर्गत जिला कांग्रेस कार्यकारणी एवं समन्वय समिति की महत्वपूर्ण बैठक जालोरी गार्डन में सम्पन्न हुई, बैठक में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के केंद्रीय पर्यवेक्षक, कांग्रेस कार्यसमिति (CWC) के सदस्य एवं महाराष्ट्र सरकार के पूर्व मंत्री बालासाहेब थोरात विशेष रूप से शामिल हुए। बैठक में आगामी 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित कांग्रेस की महारैली में जिले से अधिकाधिक भागीदारी सुनिश्चित करने, निर्वाचन प्रक्रिया में पारदर्शिता, SIR (विशेष गहन पुनरीक्षण) के मुद्दे तथा वोट बचाओ, देश बचाओ अभियान को ब्लॉक, पंचायत और बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से पहुंचाने की रणनीति पर व्यापक विचार-विमर्श किया गया बैठक में भोपाल संभाग प्रभारी एवं विधायक रजनीश सिंह, जिला कांग्रेस संगठन प्रभारी राजेश रघुवंशी, जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी विशेष रूप से उपस्थित रहे। वोट चोरी लोकतंत्र के लिए गंभीर चुनौती : बाला साहेब थोरात बैठक को संबोधित करते हुए केंद्रीय पर्यवेक्षक बाला साहेब थोरात ने कथित वोट चोरी को लोकतंत्र के लिए गंभीर अपराध बताते हुए कहा कि मताधिकार की रक्षा और चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता सुनिश्चित करना लोकतांत्रिक व्यवस्था की बुनियादी आवश्यकता है।



उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे 'वोट बचाओ, देश बचाओ' अभियान को केवल राजनीतिक कार्यक्रम तक सीमित न रखें, बल्कि इसे आम नागरिकों के अधिकारों से जोड़कर जन-जन तक पहुंचाएं। मध्य प्रदेश में SIR के आंकड़े, मतदाता सूची में बड़े बदलाव श्री थोरात ने आरोप लगाया की मध्य प्रदेश की अंतिम मतदाता सूची से संबंधित प्रकाशित आंकड़ों के अनुसार, SIR से पहले प्रदेश में 5,74,06,143 मतदाता पंजीकृत थे। प्रारूप मतदाता सूची में यह संख्या 5,31,31,983 रही, जबकि अंतिम मतदाता सूची में 5,39,81,065 मतदाता दर्ज किए गए। पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान कुल 34,25,078 नाम हटाए जाने की जानकारी सामने आई। भोपाल संभाग प्रभारी विधायक रजनीश सिंह ने संगठन की समसामयिक गतिविधियों और आगामी कार्यक्रमों पर प्रकाश डालते हुए कार्यकर्ताओं से सक्रिय भूमिका निभाने की अपील की, श्री सिंह ने कहा कि SIR और मतदाता अधिकारों पर गांव गांव अभियान चलाने पर जोर दियाजिला कांग्रेस संगठन प्रभारी राजेश रघुवंशी ने पायलेट प्रोजेक्ट के प्रभावी क्रियान्वयन पर अपने विचार रखे और संगठनात्मक गतिविधियों को जमीनी स्तर तक पहुंचाने की आवश्यकता बताई।

जिला कांग्रेस अध्यक्ष मोहित रघुवंशी ने कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, एकजुटता और जिम्मेदारी के साथ संगठनात्मक गतिविधियों को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर को दिल्ली में प्रस्तावित महारैली में जिले से प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करना सभी कार्यकर्ताओं की सामूहिक जिम्मेदारी है। उन्होंने महारैली को लोकतंत्र और मताधिकार की रक्षा के लिए चल रहे संघर्ष में महत्वपूर्ण पड़ाव बताते हुए कार्यकर्ताओं से अधिकाधिक संख्या में शामिल होने की अपील की। कांग्रेस प्रवक्ता सुशील शर्मा ने बताया कि बैठक में पूर्व विधायकगण, कांग्रेस समर्थित जनप्रतिनिधि, प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारी, ब्लॉक अध्यक्षगण, मंडलम अध्यक्षगण, मोर्चा संगठनों के पदाधिकारी, एवं जिला कांग्रेस पदाधिकारी सहित वरिष्ठ नेतागण शामिल हुए,

शरद पूर्णिमा पर खाद्य सुरक्षा विभाग का विशेष अभियान, मावा-मिठाइयों के लिए नमूने लिए

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशा। शरद पूर्णिमा पर्व के दृष्टिगत आमजन को सुरक्षित, गुणवत्तायुक्त एवं मानक खाद्य पदार्थ उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन द्वारा जिले में विशेष निरीक्षण एवं सैंपलिंग अभियान संचालित किया गया। अभियान के दौरान विभिन्न खाद्य प्रतिष्ठानों, मिठाई दुकानों एवं मावा विक्रेताओं का निरीक्षण कर मावा, मावा से निर्मित मिठाइयों तथा अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने जांच के लिए संकलित किए गए।



खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कुदसिया खान द्वारा स्वर्णकार कॉलोनी, विदिशा स्थित वैष्णव डेयरी एंड ड्राई फ्रूट्स का निरीक्षण कर मावा एवं पनीर के नमूने लिए गए। इसी क्रम में रायसेन गेट स्थित संतोष नेमा मिष्ठान से मावा लड्डू का नमूना संग्रहित किया गया। सिरोंज क्षेत्र में खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती कल्पना अर्शिया द्वारा माँ शीतला स्वीट्स का निरीक्षण कर मावा लड्डू, मावा एवं नमकीन के नमूने लिए गए। वहीं तिरुपति मिष्ठान भंडार से मावा लड्डू एवं बेसन लड्डू के नमूने संकलित किए गए। सभी नमूनों को विधिवत परीक्षण के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है। अभियान के दौरान माधवगंज, विदिशा क्षेत्र में हाथ ठेलों पर मावा विक्रय करने वाले विक्रेताओं का भी निरीक्षण किया गया। अधिकारियों ने विक्रेताओं को खराब, मिलावटी अथवा अमानक गुणवत्ता वाले मावा का विक्रय नहीं करने तथा खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

इसी क्रम में गंजबासौदा स्थित अग्रवाल स्वीट्स से भी मावा का नमूना संग्रहित किया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारी श्रीमती सारिका गुप्ता द्वारा महानीम चौराहा स्थित चौबे स्वीट्स एंड बेकरी का निरीक्षण कर मावा लड्डू, मावा एवं नमकीन के नमूने परीक्षण हेतु लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा बताया गया कि त्योहारी सत्र के दौरान खाद्य प्रतिष्ठानों, डेयरियों एवं मिठाई विक्रेताओं के निरीक्षण और सैंपलिंग की कार्रवाई निरंतर जारी रहेगी। संकलित नमूनों के प्रयोगशाला परीक्षण प्रतिवेदन प्राप्त होने के बाद यदि किसी खाद्य पदार्थ में मिलावट, अमानकता अथवा अन्य अनियमितता पाई जाती है, तो खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। जिला प्रशासन ने नागरिकों से अपील की है कि वे त्योहारी अवसरों पर खाद्य सामग्री एवं मिठाइयां विश्वसनीय प्रतिष्ठानों से ही खरीदें तथा संदिग्ध गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों के संबंध में संबंधित विभाग को सूचना दें।



बागेश्वर महाराज की टीम के साथ



लायंस क्लब मेन विदिशा द्वारा 'पीस पोस्टर एक्टिविटी' का सफल आयोजन, बच्चों ने कला के माध्यम से दिया शांति का संदेश

धर्मेन्द्र गुप्ता

विदिशाः लायंस क्लब मेन विदिशा की ओर से हरिपुरा रोड स्थित सनराइजर स्कूल में 'पीस पोस्टर एक्टिविटी' (Peace Poster Activity) का भव्य आयोजन आज सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस प्रतियोगिता में स्कूल के बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी रचनात्मकता के माध्यम से विश्व शांति व सद्भाव का संदेश उकेरा। कार्यक्रम में पहुंचे मल्टीपल से मल्टीमीडिया प्रभारी लायन अरुण कुमार सोनी जो कि इसी क्लब से है ने बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर पेंटिंग्स का अवलोकन किया।

उन्होंने बच्चों से सीधी बातचीत कर उनकी कलाकृतियों के विषय में जानकारी ली तथा समझा कि वे इन चित्रों के माध्यम से समाज को क्या सकारात्मक संदेश देना चाहते हैं। इस दौरान आपके साथ अध्यक्ष लायन बी पी सिंह, सचिन लायन डॉक्टर अर्पणा शर्मा, एवं पूर्व जॉन चेयर पर्सन लायन डॉक्टर रवि साहू रहे।



इस अवसर पर एडिशनल कैबिनेट सेक्रेटरी एमजेएफ लायन राजकुमार सर्राफ 'प्रिंस' एवं लायंस ऑफ विदिशा कोऑर्डिनेटर एमजेएफ इंजीनियर लायन अजय साहू ने बच्चों का मार्गदर्शन करते हुए उन्हें निरंतर आगे बढ़ने और कला के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित (मोटिवेट) किया। पूरे आयोजन के दौरान लायन विजय शर्मा का सतत एवं सराहनीय सहयोग प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में क्लब के अनेक पदाधिकारी व सदस्य उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने बच्चों के इस हुनर और विचारशीलता की प्रशंसा की।

मासूम को श्रद्धांजलि देकर छत्तीसगढ़ अखबार

वितरक संघ ने की दोषी को कड़ी सजा देने की मांग

कोरबा। रजगामार में सात वर्षीय मासूम बच्ची के साथ दरिंदगी और हत्या की हृदयविदारक घटना से पूरे कोरबा जिले में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस जघन्य घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है। मासूम को न्याय दिलाने और आरोपी को कठोरतम सजा देने की मांग को लेकर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में श्रद्धांजलि कार्यक्रम और कैंडल मार्च निकाले जा रहे हैं। इसी कड़ी में 25 अक्टूबर को छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ की ओर से टीपी नगर स्थित संघ कार्यालय में सुबह 6:30 बजे शोकसभा का आयोजन किया गया। शोकसभा में उपस्थित संघ के पदाधिकारियों और सदस्यों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत



मासूम को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। सभी ने इस अमानवीय घटना पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए पीड़ित परिवार के प्रति संवेदना प्रकट की। सदस्यों ने कहा कि मासूम बच्ची के साथ हुई यह घटना बेहद पीड़ादायक और समाज को झकझोर देने वाली है। ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए दोषी को कानून के अनुसार कठोरतम सजा मिलनी चाहिए, ताकि पीड़ित परिवार को न्याय मिल सके और समाज में बेटियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो। शोकसभा में छत्तीसगढ़ अखबार वितरक संघ के प्रदेश अध्यक्ष पदम सिंह चंदेल, जिला अध्यक्ष विपेन्द्र कुमार साहू, जिला सचिव जय कुमार नेताम, कोषाध्यक्ष लक्ष्मी राठौर, संयोजक तपेश्वर राठौर, मीडिया प्रभारी रामा, राजकुमार पटेल, सहसचिव राय सिंह कंवर, अनिल गिरी, कृष्ण निर्मलकर, दिलीप यादव, रंजीत पटेल, ओम चंद्र, राहुल, प्रहलाद, सुदीश गिरी, पप्पू एवं बजरंग यादव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने मासूम की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए उसे भावभीनी श्रद्धांजलि दी तथा पीड़ित परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की कामना की।

राजकुमार मिल गणेश उत्सव समिति द्वारा शनिवार को दशहरा मिलन व झांकी कलाकारों का सम्मान समाहरोह संपन्न किया गया



जिसमे समिति के संयोजक एड. अजय सिंह ठाकुर ने बताया की आज मुख्य रूप से लोकप्रिय विधायक श्री महेंद्र हार्डीया जी, पूर्व विधायक श्री गोपीकृष्ण नेमा जी, पूर्व नगर अध्यक्ष श्री कैलाश शर्मा जी, नगर मंत्री एड. स्वाति काशीद जी, वरिष्ठ समाज सेवी श्री मदन परमालिया जी व शहर के सभी गणमान्य जन उपस्थित हुए। मुख्य झांकी कलाकार ,श्री प्रवीण हरगांवकर जी,श्री विनय हरगांवकर जी व श्री अमृत वर्मा जी का शाल श्रीफल व सम्मान पत्र देकर स्वागत किया गया।

खार कलां में बंद पड़ी आंगनवाड़ी बनी परेशानी का कारण, ग्रामीणों ने उठाए सवाल

सवादता -पुनीत सेन

खार कलां, खंडवा। जनपद पंचायत खालवा के अंतर्गत ग्राम खार कलां में बंद पड़ी आंगनवाड़ी को लेकर ग्रामीणों की परेशानी बढ़ती जा रही है। आंगनवाड़ी भवन की स्थिति और उसके आसपास फैली गंदगी व झाड़ियों को लेकर मोहल्लेवासी चिंतित हैं। ग्रामीणों का कहना है कि इस समस्या की ओर कई बार ग्राम पंचायत का ध्यान आकर्षित कराया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं हुआ है।

भवन के आसपास झाड़ियां, ग्रामीण परेशान

मौके की तस्वीर में आंगनवाड़ी भवन की दीवारों की खराब हालत और आसपास उगी झाड़ियां साफ दिखाई दे रही हैं। ग्रामीणों के अनुसार, आंगनवाड़ी



लंबे समय से बंद पड़ी है। न तो यहां आंगनवाड़ी से जुड़ी गतिविधियां नियमित रूप से संचालित हो रही हैं और न ही बैठक आदि होती दिखाई देती हैं। ऐसे में आंगनवाड़ी के उद्देश्य और भवन के उपयोग को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं।

जानवरों का जमावड़ा, मोहल्लेवासियों को परेशानी

ग्रामीणों का आरोप है कि बंद पड़ी आंगनवाड़ी के आसपास जानवरों का जमावड़ा रहता है, जिससे मोहल्लेवासियों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों के मुताबिक, इस स्थान पर कई जानवरों की मौत भी हो चुकी है। ऐसे में सवाल उठता है कि इस समस्या की जिम्मेदारी आखिर किसकी है और इसका समाधान कब किया जाएगा?

कई बार पंचायत में उठा चुके हैं मुद्दा

मोहल्लेवासियों का कहना है कि वे कई बार ग्राम पंचायत में इस समस्या को बता चुके हैं, लेकिन हर बार आश्वासन देकर मामला टाल दिया जाता है। ग्रामीणों ने सवाल उठाया कि क्या जिम्मेदार किसी बड़ी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं? आखिर ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग इस समस्या को गंभीरता से कब लेंगे?

प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामीणों ने ग्राम पंचायत और संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से मांग की है कि बंद पड़ी आंगनवाड़ी की स्थिति की जांच कराई जाए।

भवन के आसपास सफाई कराई जाए और आंगनवाड़ी के संचालन की वास्तविक स्थिति स्पष्ट की जाए। साथ ही, जानवरों के जमावड़े और ग्रामीणों की परेशानी को दूर करने के लिए उचित कदम उठाए जाएं। अब देखना यह होगा कि ग्राम पंचायत और संबंधित विभाग ग्रामीणों की समस्या का समाधान कब तक करते हैं, या फिर मोहल्लेवासियों को इसी तरह परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।



क्या भूकंप का अनुमान लगाया जा सकता है?

हर भूकंप के बाद वैज्ञानिक और झटकों की चेतावनी जारी कर देते हैं। लेकिन एक बार भूकंप आ जाने के बाद धरती क्यों बार-बार थर्राती है और क्या हमेशा ही ऐसा होता है? मूल रूप से ये झटके भी भूकंप ही हैं। वैज्ञानिक धरती के नीचे होने वाली हलचल को तीन हिस्सों में बांटते हैं। भूकंप से पहले के झटके, मुख्य भूकंप और तीसरा भूकंप के बाद के झटके। हलचल का यह तीसरा चरण भूकंप के कुछ दिन बाद महसूस किया जा सकता है। लेकिन कई मामलों में बहुत महीने गुजर जाने के बाद ये झटके महसूस होते हैं।

बार-बार झटके क्यों आते हैं?

जिन इलाकों में भूकंप का खतरा अधिक होता है, वहां सैकड़ों सालों में धरती की निचली सतहों में तनाव बढ़ने लगता है। ऐसा टेक्टॉनिक प्लेटों के अपनी जगह से हिलने के कारण होता है। लेकिन तनाव का असर अचानक ही नहीं, बल्कि धीरे धीरे होता है। पहले लंबे समय तक धरती शांत रहती है, फिर कुछ समय के लिए परतें हिलने लगती हैं। और यही प्रक्रिया बार-बार दोहराई जाती है। किसी भी महाद्वीप की प्लेट के लिए यह एक बहुत ही तेज गति है। हिमालय की बढ़ती ऊंचाई का भी यही कारण है।

धरती के नीचे हरकत

धरती की ऊपरी सतह सात टेक्टॉनिक प्लेटों से मिलकर बनी है। जहां भी ये प्लेटें एक दूसरे से टकराती हैं वहां भूकंप का खतरा पैदा हो जाता है। नेपाल में यूरेशियन प्लेट और इंडियन प्लेट एक दूसरे पर दबाव डालती हैं।

भूकंप के बाद के झटके कितने खतरनाक हो सकते हैं?

मूल रूप से भूकंप से पहले के झटके इतने हल्के होते हैं कि अधिकतर वे महसूस ही नहीं होते। इसके विपरीत भूकंप के बाद के झटके लगभग भूकंप जितने ही तीव्र हो सकते हैं।

भूवैज्ञानिकों की दृष्टि से यहां एक बड़े भूकंप की आशंका बनी रहती है लेकिन यह भूकंप आज आएगा या कल या फिर अगले साल, वैज्ञानिक यह इसकी स्थिति नही बता सकते। भूकंप की ही तरह, उसके बाद आने वाले झटकों का पूर्वानुमान नहीं लगाया जा सकता। ना ही इसका समय निर्धारित किया जा सकता है और ना जगह। बस, एक भीषण भूकंप के बाद भीषण झटकों का आना तय है।

बारिश का चरम रूप है बादल फटना

बादल फटना बारिश का एक चरम रूप है। इस घटना में बारिश के साथ कभी-कभी गरज के साथ ओले भी पड़ते हैं। सामान्यत- बादल फटने के कारण सिर्फ कुछ मिनट तक मूसलाधार बारिश होती है लेकिन इस दौरान इतना पानी बरसता है कि क्षेत्र में बाढ़ जैसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है। बादल फटने की घटना अमूमन पृथ्वी से 15 किलोमीटर की ऊंचाई पर घटती है। इसके कारण होने वाली वर्षा लगभग 100 मिलीमीटर प्रति घंटा की दर से होती है। कुछ ही मिनट में 2 सेंटी मीटर से अधिक वर्षा हो जाती है, जिस कारण भारी तबाही होती है।

मार्ग में अवरोध

मौसम विज्ञान के अनुसार जब बादल भारी मात्रा में आद्रता यानि पानी लेकर आसमान में चलते हैं और उनकी राह में कोई बाधा आ जाती है, तब वो अचानक फट पड़ते हैं, यानि संघनन बहुत तेजी से होता है। इस स्थिति में एक सीमित इलाके में कई लाख लीटर पानी एक साथ पृथ्वी पर गिरता है, जिसके कारण उस क्षेत्र में तेज बहाव वाली बाढ़ आ जाती है। इस पानी के रास्ते में आने वाली हर वस्तु क्षतिग्रस्त हो जाती है। भारत के संदर्भ में देखें तो हर साल मॉनसून के समय नमी को लिए हुए बादल उत्तर की ओर बढ़ते हैं, लिहाजा हिमालय पर्वत एक बड़े अवरोधक के रूप में सामने पड़ता है।

गर्म हवा से टकराना

जब कोई गर्म हवा का झोंका ऐसे बादल से टकराता है तब भी उसके फटने की आशंका बढ़ जाती है। उदाहरण के तौर पर 26 जुलाई 2005 को मुंबई में बादल फटे थे, तब वहां बादल किसी ठोस वस्तु से नहीं बल्कि गर्म हवा से टकराए थे।

भारतीय उपमहाद्वीप में घटनाएं

भारत में बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से उठे मानसून के बादल जब उत्तर की ओर बढ़ते हैं, तब उनका हिमालय के क्षेत्र में फटने का खतरा सबसे अधिक रहता है। जब यह बादल हिमालय से टकराकर फटते हैं तो क्षेत्र में 75 मिमी/घंटा की दर से बारिश होती है। भारत में बादल फटने की सबसे अधिक घटनाएं हिमाचल प्रदेश में होती हैं। 26 जुलाई 2005 को भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में बादल फटे थे जिसके कारण पूरा शहर जलमग्न हो गया था। इसी तरह 18 जुलाई 2009 को पाकिस्तान के शहर कराची में बादल फटने के कारण भारी तबाही हुई थी, जहाँ सिर्फ दो घंटे में 250 मिमी वर्षा दर्ज की गई थी। भारतीय राज्य जम्मू और कश्मीर के लद्दाख क्षेत्र के शहर लेह में सिलसिलेवार ढंग से फटे कई बादलों ने लगभग पूरा पुराना लेह शहर तबाह कर दिया। इस घटना में 115 लोगों की मृत्यु हो गई जबकि 300 से अधिक लोग घायल हो गए



वैभव सूर्यवंशी को नंबर 3 पर उतारने पर उठे सवाल, अश्विन ने दी बड़ी सलाह



नई दिल्ली, एजेंसी। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में भारतीय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी का बल्ला खामोश रहा। चोटिल ईशान किशन की जगह प्लेइंग इलेवन में शामिल किए गए वैभव को नंबर-3 पर बल्लेबाजी के लिए भेजा गया, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। अब भारत के पूर्व स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने उनकी बल्लेबाजी पोजिशन पर सवाल उठाते हुए टीम मैनेजमेंट को अहम सलाह दी है।

'वैभव पानी से बाहर मछली की तरह दिखे'

क्राइस्टचर्च में भारत और न्यूजीलैंड के बीच दूसरा टी20 मुकाबला समाप्त होने के बाद रविचंद्रन अश्विन ने प्रसारक से बातचीत में वैभव सूर्यवंशी के प्रदर्शन का विश्लेषण किया। अश्विन ने कहा, 'यह मिस रहा। वैभव जैसे युवा क्रिकेटर के लिए इसे मिस कहना भी मुझे लगता है कि अभी जल्दबाजी होगी। लेकिन मेरे पास हिट या मिस के केवल दो विकल्प हैं, इसलिए वह थोड़ा पानी से बाहर मछली की तरह नजर आए। वह लगातार बड़े शॉट खेलने की कोशिश करते रहे और आठ गेंदों तक ऐसा ही करते रहे।'

'नंबर-3 पर बल्लेबाजी करना उनके लिए सही भूमिका नहीं'

अश्विन के मुताबिक, वैभव सूर्यवंशी को नंबर-3 पर बल्लेबाजी करते समय सहजता महसूस नहीं हुई। वह आमतौर पर आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए पहचाने जाते हैं, लेकिन इस मुकाबले में छठे ओवर में बल्लेबाजी के लिए उतरने के बाद उन्हें अपनी पारी को संभालने में परेशानी हुई। पूर्व भारतीय स्पिनर ने कहा, 'ऐसा नहीं लगा कि वह गेंद को सही टाइमिंग के साथ खेल पा रहे थे। जब ऐसा होता है, तब आपको एक अनुभवी बल्लेबाज की जरूरत होती है, जो उनके पास जाकर उन्हें शांत रहने के लिए कहे।' अश्विन का मानना है कि युवा खिलाड़ी को दबाव के समय सही मार्गदर्शन देना टीम के वरिष्ठ बल्लेबाजों की जिम्मेदारी भी है।

सैंटनर बोले-तिलक वर्मा ने फिनिशर की भूमिका शानदार निभाई



क्राइस्टचर्च, एजेंसी। भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के फिनिशर के रूप में उभरने से प्रभावित न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा कि बायें हाथ के इस बल्लेबाज ने खुद को नई भूमिका में शानदार तरीके से ढाला है। तिलक ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में नाबाद 51 रन की पारी खेलकर भारत को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी। सैंटनर ने तिलक को मुंबई इंडियंस के लिए आईपीएल एक साथ खेलते हुए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते देखा है, लेकिन अब बाएं हाथ का यह बल्लेबाज मैच खत्म करने की जिम्मेदारी भी बखूबी निभा रहे हैं।

जीत में दिया अहम योगदान

भारत के खिलाफ पांच मैचों की सीरीज के दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में 21 रन देकर चार विकेट लेने वाले सैंटनर मुंबई इंडियंस की टीम में तिलक के अलावा भारत की जीत की नींव रखने वाले नमन धीर के साथ भी ड्रेसिंग रूम साझा कर चुके हैं। सैंटनर ने कहा, जब तिलक ने शुरुआत की थी, तब वह तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते थे। वह भूमिका थोड़ी अलग होती है। मध्यक्रम में आपकी भूमिका इस बात पर निर्भर करती है कि आप पारी के बीच के ओवरों और अंतिम ओवरों में किस तरह बल्लेबाजी करते हैं। मैं उन्हें मुंबई में पिछले कुछ वर्षों से खेलते देख रहा हूं। वह बहुत अच्छे खिलाड़ी हैं। उन्होंने तिलक के साथ बेहतरीन साझेदारी करने वाले नमन और नीतीश कुमार रेड्डी की भी तारीफ करते हुए कहा, नमन धीर के साथ भी ऐसा ही है। वह जिस तरह मैदान पर उतरते हैं और शुरुआत से ही बेखौफ होकर खेलते हैं, वह शानदार है। तिलक ने दूसरे मैच में थोड़ा समय लिया, लेकिन अंत में रेड्डी के साथ मिलकर लक्ष्य का पीछा बहुत अच्छी तरह संभाला।

कीवी कोच बोले- हमने मौके गंवाए

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड के मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने रविवार को कहा कि भारत के खिलाफ पहले दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों मे उनकी टीम ने कुछ मौके गंवाए लेकिन उन्हें उम्मीद है कि टीम बाकी बचे तीन मैच में वापसी करने में सफल रहेगी। न्यूजीलैंड की टीम ने पहले दो मैच मे अधिकतर समय अपना पलड़ा भारी रखा लेकिन आखिर में उसे हार का सामना करना पड़ा।वाल्टर का मानना है कि उनकी टीम ने प्रत्येक मैच के लगभग 80 प्रतिशत हिस्से में अच्छा प्रदर्शन किया था। वाल्टर ने कहा, हम दोनों मैचों में आसानी से जीत हासिल कर सकते थे, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। हमने कुछ अच्छे मौके गंवाए जिससे परिणाम हमारे अनुकूल नहीं रहा। हार से थोड़ी निराशा है लेकिन हम अपने प्रदर्शन से बेहद खुश हैं। हम दोनो मैच का अंत अपने अनुकूल नही कर पाए जो निराशाजनक है लेकिन हमारे लिए दोनों मैच मे कई सकारात्मक पहलू रहे।

वाल्टर ने स्वीकार किया कि उनकी टीम को महत्वपूर्ण क्षणों मे अपने खेल में सुधार करने की जरूरत है। न्यूजीलैंड ने दूसरे मैच में कुछ कैच छोड़े जबकि एक बार नोबॉल होने के कारण बल्लेबाज को जीवनदान मिला। उन्होंने कहा, कोई भी जानबूझकर ऐसी गलतिया नहीं करता। अनजाने में ऐसा हो जाता है।

वैभव नहीं, संजू सैमसन को भेजें नंबर-3 पर

रविचंद्रन अश्विन ने भारतीय टीम मैनेजमेंट को बल्लेबाजी क्रम में बदलाव करने की सलाह भी दी। उनका कहना है कि अगर टीम इंडिया वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन तीनों को एक साथ प्लेइंग इलेवन में खिलाना चाहती है, तो संजू को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए भेजा जा सकता है। अश्विन ने कहा, 'देखिए, मुझे लगता है कि उन्होंने पहले भी इस संयोजन के साथ खेला है और तब संजू को तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए नीचे आना पड़ा था। अगर टीम इसी संयोजन के साथ खेलना चाहती है, तो मुझे यकीन नहीं है कि वैभव को ही नंबर-3 पर बल्लेबाजी करनी चाहिए। लेकिन जो हुआ, वह हुआ। आज वैभव के लिए यह प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा।'

दूसरे टी20 में वैभव सूर्यवंशी का प्रदर्शन

ईशान किशन के चोटिल होने के बाद वैभव सूर्यवंशी को दूसरे टी20 में प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। उन्हें नंबर-3 पर बल्लेबाजी का मौका मिला, लेकिन वह आठ गेंदों पर सिर्फ चार रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान वह अपनी आक्रामक बल्लेबाजी का प्रभाव नहीं छोड़ सके।भारतीय टीम की शुरुआत भी अच्छी नहीं रही और शीर्ष क्रम के लगातार विकेट गिरने से दबाव बढ़ गया। ऐसे में वैभव से बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन वह इस मौके का फायदा नहीं उठा सके। हालांकि, एक खराब पारी के आधार पर उनकी क्षमता का आकलन करना जल्दबाजी होगी।

तिलक वर्मा के धैर्य से प्रभावित हुए अश्विन

रविचंद्रन अश्विन ने तिलक वर्मा की बल्लेबाजी और दबाव में उनके प्रदर्शन की भी तारीफ की। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टी20 मुकाबले में तिलक ने 26 गेंदों पर नाबाद 51 रन बनाकर भारत को चार विकेट से जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी।अश्विन ने कहा, 'तिलक वर्मा भी शानदार धैर्य दिखा रहे हैं। मैं अभी नीतीश के टेम्परामेंट को लेकर पूरी तरह आश्वस्त नहीं हूं, लेकिन भारत के मिडिल ऑर्डर और लोअर मिडिल ऑर्डर में इतनी ताकत है कि विरोधी टीमों को चिंता करनी पड़ेगी। मेरे लिए यह टीम का एक बड़ा सकारात्मक पक्ष है।' अश्विन की यह टिप्पणी भारतीय टीम के बल्लेबाजी क्रम में बढ़ती गहराई को दर्शाती है।

तीसरे टी20 में टीम इंडिया की रणनीति पर रहेंगी नजरें

भारत और न्यूजीलैंड के बीच तीसरा टी20 मुकाबला 27 अक्टूबर को खेला जाना है। दूसरे मैच में जीत के बाद भारतीय टीम सीरीज में अपनी बढ़त मजबूत करना चाहेगी। वहीं, वैभव सूर्यवंशी की बल्लेबाजी पोजिशन को लेकर अश्विन की टिप्पणी के बाद टीम मैनेजमेंट के फैसले पर भी सबकी नजरें रहेंगी।अगर संजू सैमसन को तीसरे नंबर पर भेजा जाता है, तो वैभव को उनकी पसंदीदा भूमिका में खेलने का मौका मिल सकता है। हालांकि, अंतिम फैसला टीम मैनेजमेंट ही करेगा। भारतीय टीम के लिए सबसे अहम बात यह होगी कि युवा खिलाड़ियों को सही भूमिका और पर्याप्त आत्मविश्वास दिया जाए।

एक्सपायरी के बाद दवा खाना पड़ सकता है भारी, असर घटने से लेकर इलाज में खतरे तक की आशंका

दवा की अंतिम उपयोग अवधि बीतने के बाद मनमर्जी से सेवन करना पड़ सकता है नुकसानदेह

दवाओं की पट्टी या बोतल पर लिखी समाप्ति तिथि केवल औपचारिक जानकारी नहीं, बल्कि मरीज की सुरक्षा से जुड़ी होती है।

इस अवधि तक दवा की गुणवत्ता और प्रभावशीलता निर्धारित भंडारण शर्तों में सुनिश्चित की जाती है। इसके



बाद दवा की गुणवत्ता और असर की गारंटी नहीं रहती। विशेषज्ञों के अनुसार, एक्सपायरी के बाद हर दवा जहरीली हो जाए, यह जरूरी नहीं है, लेकिन उसकी शक्ति घट सकती है या गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। ऐसे में संक्रमण, बुखार या दूसरी बीमारी का उपचार अधूरा रहने का खतरा रहता है। तरल दवाओं, आंखों की बूंदों और गलत तरीके से रखी गई दवाओं में जोखिम अलग हो सकता है। विशेषकर इंसुलिन, कुछ जीवनरक्षक दवाओं और एंटीबायोटिक के मामले में लापरवाही भारी पड़ सकती है।

विकास के नाम पर उजड़ते जंगल!

देश में कितने पेड़ काटे गए, केंद्र के पास नहीं है पूरा हिसाब

पांच वर्षों में 92 हजार हेक्टेयर से अधिक वन भूमि के गैर-वन उपयोग को मंजूरी, सड़क, रेलवे, खनन और बिजली परियोजनाओं के लिए बड़े पैमाने पर वन भूमि प्रभावित

विशेष रिपोर्ट | दैनिक रणजीत टाइम्स

नई दिल्ली/इंदौर। देश में विकास के नाम पर सड़कें, हाईवे, रेलवे लाइनें, बांध और औद्योगिक परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। लेकिन इन परियोजनाओं के लिए आखिर कितने पेड़ों की बलि दी गई? इस सवाल का एक समग्र राष्ट्रीय आंकड़ा केंद्र सरकार के पास उपलब्ध नहीं है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय द्वारा 5 फरवरी 2026 को राज्यसभा में दी गई जानकारी के अनुसार, वित्त वर्ष 2020-21 से 2024-25 के बीच 6,188 प्रस्तावों के तहत 92,062.85 हेक्टेयर वन भूमि को गैर-वन उपयोग के लिए पूर्व मंजूरी दी गई।

सरकारी आंकड़े क्या कहते हैं?

वित्त वर्ष 2024-25 में ही 1,710 प्रस्तावों के अंतर्गत 17,938.85 हेक्टेयर वन भूमि के उपयोग को मंजूरी दी गई।



रेलवे परियोजनाएं – 5,956.96 हेक्टेयर

ये वन भूमि उपयोग की स्वीकृतियां हैं, काटे गए पेड़ों की वास्तविक संख्या नहीं।

मध्य प्रदेश में 12,404 पेड़ों की कटाई

केन-बेतवा लिंक परियोजना के संबंध में जुलाई 2025 में केंद्र सरकार ने बताया था कि दौधन बांध एवं संबंधित निर्माण कार्यों के लिए लगभग 17,101 पेड़ काटने हेतु चिह्नित किए गए थे। इनमें से पन्ना टाइगर रिजर्व क्षेत्र में 12,404 पेड़ काटे जा चुके थे।

विकास जरूरी, लेकिन पर्यावरण की कीमत पर कब तक?

सवाल यह नहीं है कि

देश में विकास होना चाहिए या नहीं

»» **सवाल यह है कि**- विकास योजनाओं में पेड़ों और जंगलों के संरक्षण को कितनी प्राथमिकता दी जा रही है। जब किसी परियोजना के लिए हजारों पेड़ काटे जाते हैं, तो उसके बदले कितने पौधे लगाए गए? कितने पौधे जीवित बचे? इसकी निगरानी और सार्वजनिक जवाबदेही भी उतनी ही जरूरी है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जब देशभर में काटे गए पेड़ों की एकीकृत संख्या उपलब्ध नहीं है, तो आम नागरिक पर्यावरणीय नुकसान का पूरा हिसाब कैसे जान पाएगा? सरकार को परियोजनावार पेड़ों की कटाई, प्रतिपूरक वृक्षारोपण और पौधों के जीवित रहने की जानकारी सार्वजनिक करनी चाहिए।

विकास भी जरूरी है, लेकिन हरियाली बचाना भी हमारी जिम्मेदारी है।



विदिशा में वाहन चेकिंग अभियान, नियम विरुद्ध संचालित 21 वाहनों पर कार्रवाई

धर्मेन्द्र गुप्ता



स्कूल बसों की सुरक्षा और भारवाही वाहनों की हुई जांच, 75 हजार रुपये शमन शुल्क वसूला कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता के निर्देशों के पालन में जिला परिवहन विभाग द्वारा जिले में यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों के विरुद्ध जांच एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में जिला परिवहन अधिकारी श्री गिरिजेश वर्मा द्वारा सागर रोड, ग्यारसपुर एवं त्यौदाई में वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।जांच के दौरान नियम विरुद्ध संचालित पाए गए 21 वाहनों के विरुद्ध चालानी कार्रवाई की गई। इनमें से 9 वाहनों से 75 हजार रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया। शेष वाहनों के प्रकरणों के निराकरण की कार्रवाई के लिए उन्हें जब्त कर सुरक्षित रखा गया है। जब्त वाहनों में से 8 वाहन पुलिस थाना ग्यारसपुर, 3 वाहन पुलिस थाना त्यौदा तथा 1 वाहन परिवहन कार्यालय विदिशा परिसर में सुरक्षार्थ रखे गए हैं। जब्त वाहनों के प्रकरणों के निराकरण से लगभग 2 लाख रुपये का राजस्व प्राप्त होने की संभावना है। स्कूल बसों और निर्माण कार्य में लगे वाहनों की विशेष जांच चेकिंग अभियान के दौरान विशेष रूप से स्कूल बसों में निर्धारित सुरक्षा मानकों के पालन की जांच की गई। इसके साथ ही सड़क निर्माण कार्य में संलग्न भारवाही वाहनों एवं जेसीबी मशीनों की भी जांच की गई, ताकि वाहनों का संचालन निर्धारित नियमों एवं सुरक्षा मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जा सके।शुक्रवार को ग्यारसपुर रोड पर भी नियम विरुद्ध संचालित पाए गए 4 वाहनों को जब्त किया गया था। इन वाहनों से संबंधित प्रकरणों के निराकरण के उपरांत 73 हजार 500 रुपये का शमन शुल्क वसूल किया गया था।जिला परिवहन विभाग द्वारा की जा रही इस कार्रवाई का उद्देश्य यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित करना, वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था की जांच करना तथा नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन संचालकों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करना है।